सामाजिक संस्था संपूर्णा'
'संपूर्ण विकास की ओर अग्रसर'
'गैर सरकारी संगठन'

"आलेख"

मोबाइल फोन पर उपलब्ध एप का सोच समझकर उपयोग करें

मोबाइल फोन को फोन की तरह ही इस्तेमाल करें

साइबरक्राइम से बचने के सभी उपाय अपनाएं

—डॉ. शोभा विजेंद्र
संपूर्णा संस्थापिका

राधिका आज घर में अकेली है। बच्चों ने धीरे—धीरे काम पर जाना शुरू कर दिया है। राधिका के पति भी काम के सिलसिले में कुछ घंटों के लिए घर से बाहर निकले हैं। राधिका पुनः अपने घर की चीजों को करीने से लगा रही है और मन ही मन ईश्वर से यह भी प्रार्थना कर रही है कि बच्चे और पतिदेव अदृश्य शत्रु कोरोना से बचे रहें। हालांकि बच्चे और पति अपने मुंह पर मास्क लगाकर ही घर से बाहर निकले हैं। घर का बना हुआ खाना और पानी की बोतल लेकर वह अपने कार्यस्थल को गए हैं। किंतु कोरोना वायरस का संकट अभी थमा नहीं है और राधिका का डर भी बना हुआ है।

जैसे ही टीवी पर राधिका की नज़र पड़ी , दिल फिर से तेज़ी से धक—धक करने लगा, ये क्या देश भर में तो कोरोना वायरस संक्रमित लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है? अरे मेरे परिवार के सब लोग तो काम पर गये हैं ।यह सोचकर उसका दिल रह—रहकर कांप रहा है। तभी अमेरिका का भी समाचार आ गया कि एक दिन में वहां पर 45,000 लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं। राधिका का मन उदास हो गया। उसने तुरंत अपने पति और बच्चों को फोन लगाया और उनसे बात की। राधिका ने अपने बच्चों और पतिदेव को कहा कि वे किसी भी हालत में अपने मुंह

से मास्क ना उतारे। जब अपने कार्यस्थल पर खाना खाने के लिए बैठे तो इस मास्क को स्वच्छ स्थान पर रखें और अकेले बैठकर ही अपना भोजन करें।

राधिका एक पढ़ी–लिखी गृहिणी है। उसके कंधों पर ही पूरे परिवार की देखभाल की जिम्मेदारी है। सच में कहूं तो उसने जैसे सारी जिम्मेदारी अपने ऊपर ही ले रखी है। राधिका को लगता है कि उसकी जरा सी भी लापरवाही उसके परिवार के लिए घातक ना हो जाए। वह बार–बार अपने बच्चों को समझाती है। बार–बार पतिदेव को भी कोरोना से बचाव के तरीके बताती है।

तभी अचानक फोन की घंटी बजी। उसकी सहेली मोना का फोन आया। और फोन पर बात करते हुए जो राधिका ने सुना उसे ही आपसे साझा करने के लिए आज का यह आलेख मैं आप सबके सामने प्रस्तुत कर रही हूं। मोना ने बताया कि डाटा चोरी और जासूसी की आशंका को ध्यान में रखकर भारत सरकार ने टिकटॉक समेत चीन के 59 एप पर पाबंदी लगा दी गई है।

राधिका ने बताया कि कल से ही दो बाहर ही देशों की कॉल उसके फोन पर आई। उसने बताया कि मेरा तो कोई भी रिश्तेदार बाहर नहीं रहता। फिर यह कॉल कहां से आई? राधिका ने बताया कि हां मेरी एक सहेली लंदन में जरूर रहती है जिससे मैं फोन पर या व्हाट्सएप पर कभी कबार बात जरूर करती हूं। राधिका ने तुरंत अपनी लंदन वाली उस सहेली को फोन मिलाया उसने पूछा कि क्या कल आपने फोन किया था? उस सहेली ने राधिका को बताया कि क्योंकि आपकी सरकार ने चीन की सभी साइट्स पर पाबंदी लगाकर एक तरीके से चीन पर साइबर सर्जिकल स्ट्राइक की है। इसलिए सावधान हमें होना है।

मेरा सभी भाइयों और बहनों से अनुरोध है कि अपने मोबाइल फोन पर उपलब्ध एप का सोच समझकर उपयोग करें। साइबर क्राइम और साइबर साइट्स इस समय एक्टिव हो चुकी हैं। अपने मोबाइल पर बैंक अकाउंट से संबंधित आने वाली सूचनाएं कृपया कर गुप्त रखें। जब तक जरूरत ना हो तब तक ई–बैंकिंग के लिए भी ना जाएं।

मैं आपको बताना चाहूंगी कि साइट्स को बंद करने से चीन बौखलाया हुआ है। साइट्स को बंद कर देने के बाद इन्वेंजन थ्रू दी स्काई होने की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

राधिका ने मोना से बात करके तुरंत अपने पति और बच्चों को आगाह किया कि इस प्रकार की साइबरक्राइम से बचने के सभी उपाय अपनाएं। भयभीत ना हो। लेकिन मोबाइल फोन को फोन की तरह ही इस्तेमाल करें। सच में राधिका बहुत ही समझदार है।

आइए! हम भी राधिका की तरह अपने परिवारों कि सुख और शांति के लिए समय–समय पर इस कोरोना काल में छोटी–छोटी चेतावनियां अपने बच्चों और परिवार वालों को देते रहें। ताकि सब का जीवन सुखमय हो और बिना घर में प्रवेश किए होने वाले इस साइबर खतरे को अपने से बचाएं।

———————————————